महागौरी माता की कथा PDF

नवरात्रि के आठवें दिन देवी महागौरी के स्वरूप की पूजा की जाती है। पौराणिक शिव पुराण की कथा के अनुसार, जब महागौरी केवल आठ वर्ष की थीं, तब उन्हें अपने पिछले जन्म की घटनाओं को स्पष्ट रूप से याद आने लगा। उसी समय से उन्होंने भगवान भोलेनाथ को अपने पति के रूप में स्वीकार कर लिया और भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या भी करने लगीं, जिससे देवी ने वर्षों तक घोर तपस्या की। वर्षों तक उपवास और निर्जल तप करने के कारण उनका शरीर काला पड़ गया था। उनकी तपस्या को देखकर भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने गंगा जी के पवित्र जल से उन्हें पवित्र किया, जिसके बाद माता महागौरी बिजली के समान तेजोमय और कांतिमान हो गईं। इसके साथ ही वह महागौरी के नाम से विख्यात हुईं।

pdfinbox.com

pdfinbox.com